

## भगवान बरिसा मुंडा की पुण्यतिथि अदम्य साहस और शौर्य की अमर गाथा!

### वषिय सूची (Table of Contents):

- >> धरती आबा भगवान बरिसा मुंडा की पुण्यतिथि 2026 की वसितृत रपिर्त...
- >> 1. धरती आबा भगवान बरिसा मुंडा की पुण्यतिथि वकिस भारती वशुनपुर में शर्दधांजलि...
- >> वशुनपुर आश्रम में वशिष कार्यक्रम...
- >> आदर्शों पर चलने का संकल्प...
- >> 2. भगवान बरिसा मुंडा अदम्य साहस, शौर्य और स्वाभमान के प्रतीक महेदर भगत...
- >> महेदर भगत का प्रेरक संबोधन...
- >> भाषण के मुख्य बद्दि...
- >> 3. अंगरेजी हुकूमत के खलिाफ संघर्ष जल, जंगल और जमीन की रक्षा का अमर संदेश...
- >> शोषणकारी व्यवस्था का कड़ा वरिध...
- >> जल, जंगल और जमीन का अधिकार...
- >> 4. राजनीतिक स्वतंत्रता से परे सामाजिक सुधार, शक्ति और प्रकृतिसंरक्षण के नायक...
- >> सामाजिक बुराइयों का अंत...
- >> शक्ति और आत्मनिर्भरता पर जोर...
- >> 5. आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत सांस्कृतिक अस्मति और न्याय के सच्चे मार्गद...
- >> युवाओं के लिए एक आदर्श जीवन...
- >> सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव...
- >> 6. वदियार्थियों और शक्तिकों की भागीदारी धरती आबा के आदर्शों पर चलने का लयिा सं...
- >> शर्दधांजलि सभा में छात्रों का उत्साह...
- >> शक्तिकों और कर्मचारियों का मार्गदर्शन...
- >> 7. दो मनिट के मौन और पुष्पांजलि के साथ महान स्वतंत्रता सेनानी को भावभीनी शर्दधा...
- >> मौन धारण कर दी गई शर्दधांजलि...
- >> पुष्पांजलि और कार्यक्रम का समापन...
- >> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

### धरती आबा भगवान बरिसा मुंडा की पुण्यतिथि: 2026 की वसितृत रपि

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक और आदवासी समाज के भगवान कहे जाने वाले धरती आबा बरिसा मुंडा की पुण्यतिथि पर देश भर में उन्हें नमन कयिा जा रहा है। इसी कड़ी में वशुनपुर के वकिस भारती में एक वशिष शर्दधांजलि सभा का आयोजन कयिा गया।

यह कार्यक्रम न केवल उनके बलदान को याद करने का अवसर था, बल्कि आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों से अवगत कराने का एक महत्वपूर्ण मंच भी बना। latest update 2026के अनुसार, इस तरह के आयोजनों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता को नई दिशा मिल रही है।

इस लेख में हम विकास भारती वशिनिपुर में आयोजित इस भव्य श्रद्धांजलि सभा और भगवान बरिसा मुंडा के जीवन दर्शन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण जानकारी पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

## 1. धरती आबा भगवान बरिसा मुंडा की पुण्यतिथि: विकास भारती वशि

### वशिनिपुर आश्रम में वशिष कार्यक्रम

मंगलवार को वशिनिपुर स्थित बरिसाबाग आश्रम परिसर में विकास भारती द्वारा एक अत्यंत गरमिमय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संस्था के पदाधिकारियों, शिषकों और छात्रों ने मिलकर महान स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। यह पल सभी के लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक था।

अगर आप इसी तरह की अन्य महत्वपूर्ण जानकारी और list PDF प्राप्त करना चाहते हैं, तो हमारी वेबसाइट पर नियमित रूप से विजिट करते रहें।

### आदर्शों पर चलने का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने भगवान बरिसा मुंडा के दिखाए गए मार्ग पर चलने का दृढ़ संकल्प लिया। यह केवल एक औपचारिक सभा नहीं थी, बल्कि एक वैचारिक क्रांतिकारी प्रतीक थी।

खेल जगत की एक बड़ी खबर के लिए आपभारत ने पाकिस्तान को रौंदा! लिकि पर क्लिक कर सकते हैं। खेल की भावना भी हमें एकजुट रहना सिखाती है।

## 2. भगवान बरिसा मुंडा अदम्य साहस, शौर्य और स्वाभिमान के प्रती

### महेंद्र भगत का प्रेरक संबोधन

कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में से एक, विकास भारती के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत ने सभा को संबोधित करते हुए अत्यंत मार्मिक बातें कहीं। उन्होंने

बरिसा मुंडा के जीवन को स्वाभिमानी का सर्वोच्च उदाहरण बताया।

महेंद्र भगत ने जोर देकर कहा कि भगवान बरिसा अदम्य साहस, शौर्य और नडिरता के साक्षात् प्रतीक थे। उनका जीवन हर भारतीय के लिए एक खुली कतिब है।

## भाषण के मुख्य बिंदु

- >> स्वाभिमानी की रक्षा: बरिसा मुंडा ने कभी भी अपने स्वाभिमानी से समझौता नहीं किया।
- >> समाज में एकता: उन्होंने बखिरे हुए आदिवासी समाज को एक सूत्र में परिने का महान कार्य किया।
- >> साहस का प्रदर्शन: शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य के सामने वह एक चट्टान की तरह खड़े रहे।

## 3. अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष: जल, जंगल और जमीन की रक्षा

### शोषणकारी व्यवस्था का कड़ा विरोध

भगवान बरिसा मुंडा ने उस समय की कुर अंग्रेजी शासन व्यवस्था और स्थानीय जमींदारों की शोषणकारी नीतियों के खिलाफ जोरदार बगुल फूका था। उनका यह संघर्ष इतिहास के पन्नों में स्वरुण अक्षरों में दर्ज है।

उन्होंने अपने लोगों को समझाया कि बाहरी ताकतें किस प्रकार उनके संसाधनों पर कब्जा कर रही हैं। यह जागरूकता अभियान उलगुलान क्रांति में तब्दील हो गया।

### जल, जंगल और जमीन का अधिकार

बरिसा मुंडा का सबसे प्रभावशाली नारा जल, जंगल और जमीन की रक्षा से जुड़ा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक संसाधनों पर पहला अधिकार वहां के मूल निवासियों का है।

सरकारी योजनाओं की नवीनतम जानकारी और status check करने के तरीके जानने के लिए हमारे पोर्टल से जुड़े रहें। साथ ही, खुशखबरी! नए प्रसार की शुरुआत भी पढ़ें।

## 4. राजनीतिक स्वतंत्रता से परे: सामाजिक सुधार, शिक्षा और प्रक

### सामाजिक बुराइयों का अंत

बरिसा मुंडा का संघर्ष केवल अंगरेजों को देश से बाहर निकालने तक ही सीमित नहीं था। उन्होंने आदिवासी समाज के भीतर मौजूद कुरीतियों और अंधविश्वासों को मटाने के लिए भी अथक प्रयास किए।

उन्होंने मद्यपान, पशु बलि और जादू-टोने जैसी प्रथाओं का कड़ा विरोध किया और लोगों को सात्विक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

### शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर

घरती आबा यह भली-भांति जानते थे कि बिना शिक्षा के समाज का विकास संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने शिक्षा और आत्मनिर्भरता को अपने आंदोलन का प्रमुख हिससा बनाया।

आजकल युवा सरकारी नौकरियों के लिए apply online करते हैं, उसी प्रकार बरिसा मुंडा चाहते थे कि उनके लोग भी शिक्षित होकर मुख्यधारा से जुड़ें।

## 5. आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत: सांस्कृतिक अस्मिता और न

### युवाओं के लिए एक आदर्श जीवन

आज के आधुनिक युग में भी भगवान बरिसा मुंडा के विचार उतने ही प्रासंगिक हैं जितने दशकों पहले थे। देश के युवाओं के लिए उनका जीवन एक बहुत बड़ी प्रेरणा है।

सामाजिक न्याय, समानता और अपनी सांस्कृतिक अस्मिता (पहचान) की रक्षा कैसे की जाती है, यह कोई घरती आबा के जीवन से सीख सकता है।

### सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव

अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखना आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है। भगवान बरिसा ने हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है।

रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ी खबर है: रत्न नीति में चौकाने वाली तोड़फोड़! यूपी में 1.50 लाख से अधिक भर्तियां, पुलिस व शिक्षकों की वैकेंसी खुलू लासाइसे जरूर देखें।

## 6. वदियार्थियों और शक्षकों की भागीदारी: धरती आबा के आदर्शो

### शरुधांजलिसभा में छात्रों का उत्साह

वकिस भारती वशुनपुर में आयोजति इस कार्यक्रम की सबसे खास बात इसमें वदियार्थियों की भारी भागीदारी रही। युवाओं का उत्साह यह साबति करता है की धरती आबा के वचार आज भी जीवति है।

कार्यक्रम में कई वदियार्थियों ने मंच पर आकर भगवान बरिसा मुंडा के जीवन और उनके महान योगदान पर अपने वचार साझा कए।

### शक्षकों और कर्मचारियों का मार्गदर्शन

आश्रम के शक्षकों, कर्मचारियों और वभिन्न इकाइयों के कार्यकर्ताओं ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका नभाई।

शक्षकों ने छात्रों को समझाया की कैसे वे बरिसा मुंडा के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन और पढ़ाई में उतार कर देश के लिए बेहतर नागरिक बन सकते हैं।

## 7. दो मनिट के मौन और पुष्पांजलि के साथ महान स्वतंत्रता सेनान

### मौन धारण कर दी गई शरुधांजलि

शरुधांजलिसभा के अंतिम चरण में उपस्थति सभी लोगों ने अपने स्थान पर खड़े होकर दो मनिट का मौन रखा। यह मौन उस महान आत्मा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक तरीका था।

पूरा आश्रम परसिर धरती आबा के जयकारों और शरुधापूरण वातावरण से गूँज उठा। हर व्यक्तिकी आंखें उनके बलदान को याद कर नम थी।

### पुष्पांजलि और कार्यक्रम का समापन

मौन के पश्चात एक-एक करके सभी ने भगवान बरिसा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस प्रकार एक अत्यंत गरमामय और प्रेरणादायक कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

विकास भारती द्वारा आयोजित यह सभा इस बात का प्रमाण है कि 2026 में भी हमारे अमर शहीदों की यादें हमारे दिलों में तरोताजा हैं।

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

यह सभा महान स्वतंत्रता सेनानी और धरती आबा भगवान बरिसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके बलिदिन और आदर्शों को याद करने के लिए आयोजित की गई थी।

विकास भारती के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत ने उन्हें अदम्य साहस, शौर्य और स्वाभिमानी का प्रतीक बताया, जिन्होंने शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया।

उनका सबसे प्रमुख नारा और संघर्ष जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने और उस पर आदवासियों के प्राकृतिक अधिकार से संबंधित था।

नहीं, राजनीतिक स्वतंत्रता के अलावा उनका संघर्ष सामाजिक सुधार, शिक्षा के प्रसार, आत्मनिर्भरता और प्रकृति के संरक्षण से भी गहराई से जुड़ा था।

सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए योग्य उम्मीदवार आधिकारिक विभागीय वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

महान आदवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बरिसा मुंडा को सम्मानपूर्वक धरती आबा (धरती के पति) के नाम से जाना जाता है।

इस कार्यक्रम में विकास भारती विशुनपुर आश्रम के विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और विभिन्न सामाजिक इकाइयों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हां, इंटरनेट पर कई शैक्षणिक और सरकारी पोर्टल्स उपलब्ध हैं जहां से आप उनके जीवन और संघर्षों पर आधारित पुस्तकों की पीडीएफ लिंक डाउनलोड कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर धरती आबा को श्रद्धापूर्वक नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित की।

क्योंकि उन्होंने बहुत कम उम्र में ही सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक अस्मिता और नडिरता का जो उदाहरण पेश किया, वह युवाओं को हमेशा सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

विभिन्न आदवासी कल्याण योजनाओं का स्टेटस चेक करने के लिए आप संबंधित राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइट (State Portal) पर जा सकते हैं।

उलगुलान का अर्थ है महान हलचल या विद्रोह। यह भगवान बरिसा मुंडा द्वारा अंग्रेजों और शोषकों के खिलाफ छेड़ा गया ऐतिहासिक आंदोलन था।